RNI NO.- RAJHIN/2021/80841

संस्कार सृजन

सम्पादक: राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

पृष्ठ संख्या 2

हिन्दी पाक्षिक

वर्ष: 01 | अंक: 23 | पृष्ठ : 4 | जयपुर, मंगलवार 7 मार्च, 2023 | मूल्य: 05 रू. | वार्षिक मूल्य : 150 रू.

शहीदों के परिवारों की सुरक्षा और सम्मान के लिए राज्य सरकार संवेदनशील, पुलवामा आतंकी हमले में शहीद सीआरपीएफ जवानों की वीरांगनाओं को नियमानुसार दी गई सहायता

जयपुर (संस्कार सृजन)। राज्य सरकार द्वारा शहीद सैनिकों की वीरांगनाओं, भूतपूर्व सैनिकों तथा उनके आश्रितों के कल्याण के लिए सदैव संवेदनशीलता के साथ काम किया गया है। फरवरी 2019 में हुए पुलवामा आतंकी हमले में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के राज्य के सभी 5 शहीदों के आश्रितों को राज्य सरकार द्वारा नियमानुसार यथासमय सहायता देकर राहत देने का कार्य किया गया है। सैनिक कल्याण विभाग के निदेशक ब्रिगेडियर वीरेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि तीन शहीदों जीतराम गुर्जर, रोहिताश लाम्बा तथा हेमराज मीणा की वीरांगनाओं द्वारा गत 28 फरवरी 2023 से जयपुर में राज्य सरकार से अपनी मांगों को लेकर धरना एवं प्रदर्शन किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा तीनों शहीदों के आश्रितों को नियमानुसार सहायता प्रदान की गई है। राज्य सरकार द्वारा संवेदनशीलता से वीरांगनाओं की माँगों पर संज्ञान लिया गया है। उन्होंने बताया कि वीरांगनाओं द्वारा की जा रही मांगे नियमों में नहीं आती हैं। ब्रिगेडियर राठौड़ ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा शहीदों की वीरांगनाओं को दी जाने वाली सहायता के तहत तीनों शहीदों की वीरांगाओं को भी 50 लाख रूपये की नकद राशि सहायतार्थ दी गई है। इसके अतिरिक्त शहीद के माता-पिता को 05 लाख रूपये की सावधि जमा तथा वीरांगना को राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम का निःशुल्क पास जारी किये गए हैं। उन्होंने बताया कि नियमों के तहत तीनों ही शहीदों के एक बच्चे के लिए नियोजन का अधिकार सुरक्षित रखा गया है। साथ ही शहीदों की याद चिरस्थायी रखने के लिए 2 शहीदों के नाम से शिक्षण संस्थान का नामकरण कर दिया

गया है तथा एक शहीद के नाम से नामकरण के लिए कार्यवाही जारी है।

उन्होंने बताया कि भरतपुर जिले की नगर तहसील के सुन्दरवाली ग्राम पोस्ट के शहीद कांस्टेबल जीतराम गुर्जर की पत्नी वीरांगना श्रीमती सुन्दरी देवी की 2 पुत्रियां हैं, जिनमें से एक पुत्री का नियमानुसार नियोजन का अधिकार सुरक्षित है। उन्होंने बताया कि वीरांगना द्वारा शहीद के भाई को नियोजित करने की मांग की जा रही है, परन्तु नियमों तहत आश्रित की श्रेणी में नहीं होने के कारण नियोजन का प्रावधान नहीं है।

उन्होंने बताया कि शहीद के नाम से विद्यालय नामकरण के लिए 9 अप्रेल, 2019 को गांव में स्थित राजकीय बालिका प्राथमिक विद्यालय, सुन्दरावली का प्रस्ताव भिजवाया गया था, जिसका नामकरण पूर्व में स्वतंत्रता सैनानी श्री हरिश चन्द्र के नाम पर हो चुका हैं। अभी वीरांगना द्वारा राजकीय महाविद्यालय, नगर के नामकरण की मांग की गई है, जिस पर नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। निदेशक सैनिक कल्याण विभाग ने बताया कि जयपुर जिले में ग्राम पोस्ट गोविन्दपुरा के शहीद कांस्टेबल रोहिताश लाम्बा की पत्नी श्रीमती मंजू जाट वीरांगना के एक पुत्र के लिए नियमानुसार नियोजन का अधिकार सुरक्षित है। वीरांगना द्वारा भी अपने देवर को नियोजन की मांग की जा रही है, जो कि नियमानुसार आश्रित की श्रेणी में नहीं आता है। उन्होंने बताया कि शहीद रोहिताश लाम्बा के नाम से राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, गोविन्दपुरा, बासड़ी, शाहपुरा, जयपुर का नाम शहीद रोहिताश लाम्बा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, गोविन्दपुरा, बासड़ी, शाहपुरा, जयपुर कर दिया गया है। इसी प्रकार कोटा जिले में पोस्ट विनोदखुर्द के ग्राम विनोद कलां के शहीद कांस्टेबल हेमराज मीणा की पत्नी श्रीमती मधुबाला मीणा वीरांगना के पुत्र के नियोजन का अधिकार सुरक्षित रखा गया है।

उन्होंने बताया की शहीद के नाम से राजकीय राजकीय महाविद्यालय, सांगोद का नाम शहीद हेमराज मीणा राजकीय महाविद्यालय, सांगोद कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त शहीद कांस्टेबल हेमराज मीणा की मूर्ति पूर्व में ही दो स्थानों, शहीद हेमराज मीणा राजकीय महाविद्यालय, सांगोद के प्रांगण में तथा पैतृक गांव विनोद कलां स्थित पार्क में स्थापित की जा चुकी हैं। उन्होंने बताया कि वीरांगना द्वारा अदालत चौराहे पर उनके पति की तीसरी मूर्ति लगाने हेतु मांग की जा रही हैं, जो कि नियमानुसार उचित नही है। ब्रिगेडियर राठौड़ ने बताया कि मंडाप रोड़ से विनोद कलां गांव के कुएं तक लगभग 1 किलोमीटर सड़क मार्ग के निर्माण के लिए उपखण्ड अधिकारी, सांगोद को एक माह पूर्व एवं स्थानीय विधायक, सांगोद को तीन माह पूर्व ज्ञापन दिया गया था, जिस पर नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पूरी संवेदनशीलता तथा जिम्मेदारी के साथ यथासंभव समयबद्ध तरीके से वीरांगनाओं की समस्त समस्याओं के निराकरण का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि वीरांगनाओं को विशेष पहचान प्रदान करने एवं उनका उचित सम्मान करने के उद्देश्य से वीरांगना पहचान पत्र भी राज्य सरकार द्वारा जारी किए गए हैं। ब्रिगेडियर राठौड ने बताया कि पिछले चार सालों में शहीद सैनिकों के आश्रितों एवं पूर्व सैनिकों तथा उनके आश्रितों के कल्याणार्थ अनेकों ऐतिहासिक फैसले राज्य सरकार द्वारा लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध के दौरान शहीद सैनिकों के आश्रितों हेतु राज्य सरकार द्वारा जारी कारगिल पैकेज पूरे भारतवर्ष का सबसे अधिक प्रभावशाली पैकेज है जिसमें समय-समय पर संशोधन करते हुए इसे अधिक बेहतर बनाया गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के पश्चात इस पैकेज मे बढ़ोतरी की गई ।

इनका कहना है :-

रिटायर्ड केप्टन पृथ्वी सिंह नाथावत, रिटायर्ड कर्नल बजरंग सिंह और समाजसेवी कालूराम झाझड़िया ने बताया कि वीरांगनाओं द्वारा देवर के लिए नौकरी की मांग करना गलत है । शहीद की पहले से दो मूर्तियाँ लगने के बाद तीसरी मूर्ती लगाने की मांग करना जायज नहीं है । देवर को नौकरी मिले ऐसा कोई प्रावधान सेना में नहीं है । शायद राजनीति से प्रेरित होकर धरना दिया जा रहा है।

संपादकीय

परमाणु हथियारों को चाहिए नई नकेल

पिछले हफ्ते रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 'स्टेट ऑफ द नेशन' (राष्ट्राध्यक्ष द्वारा संसद में दिया गया संबोधन) दिया। क्रेमलिन पर नजर रखने वालों का मानना था कि यूक्रेन युद्ध की पहली बरसी से दो दिन पहले दिए गए इस उद्बोधन में राष्ट्रपति एक नई युद्ध रणनीति की घोषणा करेंगे। इसके बजाय पुतिन ने यह एलान कर सबको चौंका दिया कि अमेरिका-रूस नई 'स्टार्ट' संधि (सामरिक हथियारों को सीमित और कम करने को लेकर 2010 में किया गया समझौता) से मॉस्को अपनी भागीदारी निलंबित कर रहा है। इस घोषणा से जाहिर होता है कि परमाणु हथियारों पर नियंत्रण का 20वीं सदी का मॉडल दम तोड़ चुका है। नई स्टार्ट संधि के मुताबिक, रूस और अमेरिका, दोनों देश अपने-अपने यहां अधिकतम 1,550 परमाणु मिसाइल, 700 लॉन्चर (भारी बमवर्षक और लंबी दूरी की मिसाइलें) बिल्कुल तैयार स्थिति में रख सकते हैं। मगर असलियत में, दोनों के पास इससे तीन गुना अधिक हथियार हैं, जो भंडार के तौर पर और रिटायर्ड के नाम पर रखे गए हैं। इसके अलावा, रूस के पास 2,000 से अधिक सामरिक परमाणु हथियार होने के अनुमान हैं और अमेरिका के पास इससे कुछ ऊपर-नीचे। पूरी दुनिया के 90 फीसदी से अधिक परमाणु हथियार अब भी इन्हीं दोनों देशों के पास हैं। नई स्टार्ट संधि फरवरी, 2026 तक वैध है, और यह 2021 में ही खत्म हो चुकी होती, क्योंकि तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन को भी वार्ता में शामिल करने को लेकर दृढ़ थे, लेकिन बीजिंग ने इसको नकार दिया। राष्ट्रपति जो बाइडन के पदभार संभालने के बाद इसे पांच साल के लिए विस्तार दिया गया, लेकिन आगे की कार्रवाई के लिए यह समझौता महज छलावा साबित हुआ है। इस संधि के तहत तय ऑन-साइट निरीक्षण (दोनों देशों का एक-दूसरे के परमाणु केंद्रों पर साल में 18 दौरे करने संबंधी प्रावधान) 2020 से बंद है। पहले इसकी वजह बनी कोविड महामारी और फिर यूक्रेन युद्ध। पिछले नवंबर में रूस ने द्विपक्षीय सलाहकार आयोग की बैठक भी रद्द कर दी।पुतिन ने दावा किया कि अमेरिका की मंशा रूस की 'रणनीतिक हार' है, ऐसे में परमाणु निरीक्षण का विचार 'बेतुका' है, इसीलिए इस संधि को स्थगित करने का उन्होंने फैसला लिया है। उन्होंने परमाणु बमवर्षक तैनाती वाले रूसी हवाई अड्डों पर बढ़ते ड्रोन हमले के लिए यूक्रेन को दोषी ठहराया, जो बकौल पुतिन, नाटो से मिलने वाली खुफिया सूचनाओं के आधार पर किया जा रहा है। पुतिन ने संकेत दिया कि अमेरिका फिर से परमाणु परीक्षण शुरू करने की तैयारी कर रहा है और यदि ऐसा हुआ, तो रूस भी पीछे नहीं हटेगा।रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि रूस संधि में तय प्रतिबंधों का पालन करता रहेगा। इसने उन आशंकाओं को निर्मूल साबित किया है कि पुतिन अमेरिका के साथ परमाणु हथियारों की एक नई दौड़ शुरू कर रहे हैं। हालांकि, निरीक्षण का काम बंद होने और आपसी विश्वास की भारी कमी के चलते दोनों देश एक-दूसरे को लेकर बुरा ही सोचेंगे। हाइपरसोनिक मिसाइलों, ग्लाइडवाहनों और लो-यील्ड हथियारों के लिए दोनों देश परमाणु आधुनिकीकरण कार्यक्रमों में व्यापक तौर पर लगे हुए हैं।

माँ (कविता)

नौ माह तक कोख में रखकर पुरुषार्थ
की शक्ति है माँ।
शैशव का मनुज मे निर्माण का आधार है माँ।
शोणित को दूध बना जन जन की शिराओं
में बहता अमृत है माँ।
माँ वाणी का स्पंदन है व शिशु के कृन्दन
की ऊर्जा है माँ।
अबोध जीव को पुचकारने की थाह है माँ।
शब्दों के उच्चारण का ब्रह्म है माँ।
भावों व दृष्टि को प्रस्पुठित कर अभिव्यक्ति
का विज्ञान है माँ।
सृष्टि में जीवन के धरती पर होने
का प्रमाण है माँ ।
ब्रह्मांड में केवल जीवों के निर्माण
का आधार है माँ।
संवेदनाओं का ज्ञान है व मातृत्व का
आत्मबोध है माँ।
जीवन के संगीत का मधुर गान है माँ।
मृत्यु से युद्ध में विजय का संधान है माँ।
सृष्टि में परमात्मा को भी जन्मा होने
का प्रमाण है माँ।
वात्सल्य,त्याग,सेवा,सहिष्णुता,
विनम्रता,करुणा,दया,
शौर्य का निर्माण है माँ।
जीवन का कई रूपों में निर्माण
का प्रमाण है माँ ।
ब्रह्मांड के रचयिता द्वारा दिया सर्वश्रेष्ठ
सुन्दर उपहार है माँ।
हमारे काव्य सृजन का आधार है माँ।
हर जीव को अद्भुत रूप में मिला
परमशक्ति का साक्षात्कार है माँ।

राजेन्द्र आचार्य
राजन,
भवानीमंडी

अमूल्य ज्ञान का बोध

✻ सोलह संस्कार

1.गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6.निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मुंडन संस्कार 9. कर्णवेधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

✻ अष्ट सिद्धि

1.अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लघिमा . 5.प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वशित्व

✻ नव निधियां

1.पद्म निधि 2. महापद्म निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6.मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

✻ 27 नक्षत्र

1.आश्विन, 2.भरणी, 3.कृतिका, 4.रोहिणी, 5.मृगशिरा, 6.आर्द्रा 7.पुनर्वसु, 8.पुष्य, 9.आश्लेषा, 10.मघा, 11.पूर्वा फाल्गुनी, 12.उत्तरा फाल्गुनी, 13.हस्त, 14.चित्रा, 15.स्वाति, 16.विशाखा, 17.अनुराधा, 18.ज्येष्ठा, 19.मूल, 20.पूर्वाषाढ़ा, 21.उत्तराषाढ़ा, 22.श्रवण, 23.धनिष्ठा, 24.शतभिषा, 25.पूर्वा भाद्रपद, 26.उत्तरा भाद्रपद और 27.रेवती

✻ 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12.मीन

✻ नवग्रह

1.सूर्य 2.चंद्र 3.मंगल 4.बुध 5.बृहस्पति 6.शुक्र 7.शनि 8.राहू 9.केतु

✻ चार वेद

1.ऋग्वेद 2.यजुर्वेद 3.सामवेद 4.अथर्ववेद

✻ सप्त ऋषि

1.वशिष्ठ 2.विश्वामित्र 3.कण्व 4.भारद्वाज 5.अत्रि 6.वामदेव 7.शौनक

✻ 18 पुराण

1.ब्रह्म पुराण 2.पद्म पुराण 3.विष्णु पुराण 4. वायु पुराण (शिव पुराण)5.भागवत पुराण 6.नारद पुराण 7. मार्कण्डेय पुराण 8.अग्नि पुराण 9.भविष्य पुराण 10.ब्रह्मवैवर्त पुराण 11.लिंग पुराण 12.वाराह पुराण 13.स्कन्द पुराण 14.वामन पुराण 15.कूर्म पुराण 16.मत्स्य पुराण 17.गरुड पुराण 18.ब्रह्माण्ड पुराण

विधानसभा चौमूं की ग्राम पंचायत जयसिंहपुरा में चला हाथ से हाथ जोड़ो अभियान

जयपुर (संस्कार सृजन)। विधानसभा चौमूं के ग्राम जयसिंहपुरा, गुवारडी, नला की ढाणी, टांकरड़ा, जोधपुरा, देवपुरा में हाथ से हाथ जोड़ो अभियान चलाया गया। सभी वार्डो और बूथों पर जनसंपर्क कर नुक्कड़ सभाओं का आयोजन कर वार्तालाप किया गया ।

पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी के सानिध्य में नगरपालिका चौमूं के चेयरमेन विष्णु कुमार सैनी, हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के कॉर्डिनेटर अशोक कुमार रछोया एवं गिर्राज देवन्दा ने हर बूथ पर कार्यकर्ताओ की बैठक आयोजित करवाई । इस अवसर पर संतोष सैनी पूर्व पं. स. सदस्य, सरपंच प्रतिनिधि अशोक यादव, भोला राम मीणा, रामकिशोर सैनी, पार्षद महेश यादव, पार्षद ओमप्रकाश यादव, सरपंच प्रतिनिधि सरवन कुमार यादव, राजू कुडावत, पार्षद रमेश सैनी, सरवन कुमार यादव, एस, एस, रतन यादव, गजानंद सैनी, पिंटू सिंगोदिया, दिनेश सैनी, बंटी सैनी, सुरेंद्र यादव, एस.पी. पवार एवं चौमूं क्षेत्र के वरिष्ठ कांग्रेसगण एवं बूथों के अन्य कार्यकर्ता और आमजन ने लगभग 20 किमी की यात्रा तय करके केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों का खुलासा कर डीजल, पेट्रोल, रसोई गैस के मूल्यों में बेतहाशा वृद्धि का विरोध करके जनता को जागरूक होने को कहा गया। मंहगाई, बेरोजगारी को रोकने में फैल हुई केंद्र सरकार के जुमलो से जनता को सावधान रहने को कहा गया ।

वहीं गहलोत सरकार की योजनाओं का प्रचार प्रसार किया गया और बजट में चिरंजीवी बीमा योजना, इंदिरा रसोई योजना, पालनहार योजना, मुख्यमंत्री युवा संबल योजना का लाभ बताया गया एवं अंग्रेजी माध्यम के स्कूल खोलने का गहलोत साहब का बड़ा कदम बताते हुए वक्ताओ ने आम गरीब तक उच्च गुणवत्ता की शिक्षा पहुंचाने की कांग्रेस की योजनाओं के बारे में विस्तार से

चर्चा कर जनता को योजनाओं का विस्तृत लाभ समझाया गया । बिजली बिल में किसानों को 2000 यूनिट फ्री और घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को 100 यूनिट फ्री बिजली का लाभ बताया गया ।

राजस्थान की गहलोत सरकार द्वारा जो बजट आम राजस्थानी के हित में पेश हुआ उसका लाभ भी जनता को समझाया गया। सभी वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं से कांग्रेस को जिताकर कांग्रेस की सरकार को पुनः जिताने का संकल्प किया गया। साथ ही कांग्रेस को बूथ स्तर पर युवाओं को ज़िम्मेदारी देने की भी चर्चा कर संगठन को मजबूत किये जाने पर चर्चा हुई। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के उद्देश्यों और जाति, धर्म, संप्रदाय के नाम पर नफरत फ़ैलाने वाली ताकतों को सत्ता से दुर कर पुनः नया स्वर्णिम भारत बनाने का संकल्प लिया गया । जहां जात, धर्म, हिंसा का कोई स्थान नहीं हो।

नीमड़ी से रवाना हुई वीर हनुमान जी की द्वितीय पदयात्रा

चौमूं (संस्कार सृजन)। चौमूं तहसील के ग्राम मोरीजा के सामोद रोड नीमड़ी , वार्ड नंबर 1 से वीर हनुमान धाम सामोद के लिए द्वितीय पदयात्रा रवाना हुई । पदयात्रा से पूर्व निशान की पूर्ण विधि विधान से पूजा अर्चना की गई । पदयात्रा संयोजक राजेंद्र सैनी ने बताया कि वीर हनुमान धाम की यह द्वितीय पदयात्रा है, जिसमें निरंतर श्रद्धालु बढ़ते ही जा रहे हैं । सच्चे मन से कार्य करने वाले की वीर हनुमान जी सभी मनोकामना पूर्ण करते हैं। पदयात्रा में प्रहलाद सैनी, कैलाश चंद सैनी, लक्ष्मीनारायण सैनी, कमलेश सैनी, सुरेंद्र कुमार सैनी, मोहन सैनी, रोहित सैनी, राहुल सैनी, सुमित सैनी, मन्नी देवी, विमला देवी सहित कई लोग मौजूद रहे ।

हिंदू विवाह में वधू वर के बाईं ओर ही क्यों है बैठती? जानिए कारण

हिंदू विवाह के दौरान विभिन्न तरह के रीति-रिवाज होते हैं, जिन्हें विधि-विधान के साथ किया जाता है। हल्दी, मेहंदी से लेकर सात फेरे लेने तक कई तरह की रस्मे होती है, को 4-5 दिनों तक चलती हैं। लेकिन इन रस्मों मे से एक रस्म ऐसी होती है, जो धर्मपत्नी को जीवन भर निभानी होती है। दुल्हन का दूल्हे के बाएं ओर बैठना। शास्त्रों के अनुसार शादी से लेकर हर शुभ और मांगलिक काम में पत्नी को अपने पति के बाएं ओर ही बैठना होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं पत्नी हमेशा अपने पति के बाई ओर ही क्यों बैठती है? पत्नी का

स्थान पति के बाई ओर ही क्यों माना गया है? जानिए

इसका महत्व और कारण।

भगवान शिव से भी है संबंध हिंदू धर्म में किसी भी पूजा-पाठ, धार्मिक आयोजन, संस्कार से लेकर विवाह तक में पत्नी को पति के बाई ओर बैठकर हर परंपरा को निभाना होता है। इसी के कारण पत्नी को वामांगी कहा गया है। जिसका मतलब है कि बाएं अंग का अधिकारी। माना जाता है कि भगवान शिव के बाएं अंग से स्त्री की उत्पत्ति हुई थी। जिसका एक प्रतीक है शिव जी का अर्धनारीश्वर स्वरूप।

व्यक्ति का हृदय से संबंधित ऐसा माना जाता है कि अगर दुल्हन पति के बाएं ओर बैठती है, तो वह उसके हृदय में हमेशा वास करती हैं।

क्योंकि इसी तरह पुरुषों का हृदय होता है। ऐसे में जीवनभर वैवाहिक जीवन में खुशियां आती रहती हैं।

बाएं हाथ प्रेम का प्रतीक एक दूसरी मान्यता के अनुसार, बाएं हाथ को प्रेम और सौहार्द का प्रतीक माना जाता है। इसी के कारण दुल्हन को बाई ओर बैठाया जाता है, जिससे कि वर-वधु के बीच प्रेम हमेशा बना रहें।

भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी से संबंधित शास्त्रों के अनुसार, मां लक्ष्मी हमेशा भगवान विष्णु के बाएं ओर ही बैठती हैं। इसी तरह दुल्हन को मां लक्ष्मी और दूल्हे को विष्णु जी का स्वरूप माना जाता है। इसी के कारण शादी में दुल्हन दूल्हे के बाएं ओर बैठती हैं, जिससे मां लक्ष्मी की कृपा से सुख-समृद्धि और खुशहाली बनी रहें।

धर्म दर्शन

पाक्षिक राशिफल

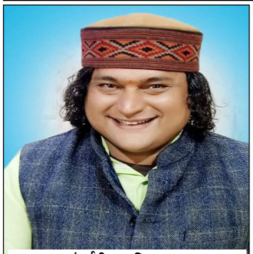

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता
पंडित रविन्द्राचार्य

मेष राशि – धैर्यशीलता में कमी रहेगी, आत्म संयत रहें, शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकता है। किसी मित्र के सहयोग से कारोबार विस्तार होगा, लाभ के अवसर मिलेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं। नौकरी में परिवर्तन की संभावना बन रही है।

वृष राशि – कार्यों के प्रति उत्साह रहेगा, परंतु बातचीत में संतुलित रहें। मन अशांत रहेगा, धर्म-कर्म के प्रति रूझान बढ़ेगा। पिता को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं, माता का सहयोग मिलेगा। परिवार के संग किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाना हो सकता है, खर्चों में वृद्धि होगी, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मिथुन राशि – अपनी भावनाओं को वश में रखें, आत्मविश्वास में कमी आएगी। क्रोध के अतिरेक से बचें, पारिवारिक जिम्मेदारी बढ़ सकती है। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धनलाभ हो सकता है, परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जा सकते हैं । स्थान परिवर्तन की संभावना बन रही हैं।

कर्क राशि – आत्मविश्वास में कमी आएगी, शांत रहें। सुस्वाद खान-पान में रुचि बढ़ेगी, स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे, किसी मित्र के सहयोग से संपत्ति में निवेश कर सकते हैं। संचित धन में कमी आएगी, लेखनादि, बौद्धिक कार्यों से धर्नाजन हो सकता है। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि संभव है।

सिंह राशि – मन में निराशा व असंतोष के भाव रहेंगे, आत्म विश्वास में कमी रहेगा। पठन-पाठन में रुचि रहेगी, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे, संपत्ति का विस्तार हो सकता है। माता का सहयोग मिलेगा, खर्चों में वृद्धि होगी। अफसरों मतभेद हो सकते हैं, परिवर्तन भी संभावित है।

कन्या राशि – कारोबार के विस्तार की योजना साकार होगी, भाइयों का सहयोग मिलेगा लेकिन परिश्रम की अधिकता रहेगी। घर-परिवार में मांगलिक कार्य होंगे, अनियोजित खर्चे बढ़ेंगे। वस्त्रादि उपहार भी मिल सकते हैं। नौकरी में परिवर्तन के साथ दूसरे स्थान पर भी जाना पड़ सकता है। आयात-निर्यात कारोबार में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला राशि – आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, लेकिन आत्म संयत रहें। आलस्य की अधिकता रहेगी, घर-परिवार की सुख सुविधाओं का विस्तार होगा। जीवन साथी से मनमुटाव हो सकता है। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन संभव है, परिश्रम की अधिकता रहेगी। माता का सांनिध्य व सहयोग मिलेगा। लाभ में वृद्धि की संभावना है।

वृश्चिक राशि – वाणी में कठोरता के भाव रहेंगे, बातचीत में संयत रहें। वस्त्रों आदि के प्रति रूझान बढ़ेगा। माता से विचारों में मतभेद हो सकते हैं । संचित धन में वृद्धि होगी, नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। संचित धन में वृद्धि होने के योग बन रहे हैं।

धनु राशि – धैर्यशीलता में कमी आएगी, आत्म संयत रहें। वाणी का प्रभाव बढ़ेगा, किसी धार्मिक सत्संगी कार्यक्रम में जाना हो सकता है। रहन-सहन में असहज रहेंगे, मीठे खान-पान की ओर रूझान बढ़ेगा। संपत्ति से आय में बढ़ोत्तरी हो सकती है, नौकरी में स्थान परिवर्तन संभव है। आय में वृद्धि होगी लेकिन स्थान परिवर्तन की संभावनाएं बन रही हैं।

मकर राशि – आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे, अध्ययन में रूचि रहेगी। संपत्ति के रखरखाव पर खचे बढ़ सकते हैं। जीवनसाथी का स्वास्थ्य विकार हो सकता है, चिकित्सा कार्यों में खर्च बढ़ सकते हैं। नौकरी में परिवर्तन की संभावना

बन रही है, किसी दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है।

कुंभ राशि - आत्मविश्वास में कमी रहेगी लेकिन परिवार का सहयोग मिलेगा। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा पर जाना हो सकता है। खान-पान के प्रति सचेत रहें, स्वास्थ्य में गड़बड़ी हो सकती है। किसी पुराने मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं।

मीन राशि – मन में प्रसन्नता के भाव तो रहेंगे, फिर भी आत्म संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें, माता से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। नौकरी में किसी दूसरे स्थान पर जाना हो सकता है, आय में वृद्धि होगी। रहन-सहन कष्टकारी हो सकता है, अफसरों का सहयोग मिलेगा। माता को स्वास्थ्य विकार हो सकता है, रहन-सहन कष्टकायी हो सकता है।

माली समाज के परिचय सम्मलेन में हुआ 14 जोड़ों का पंजीयन,पूर्व विधायक सैनी ने किया पोस्टर विमोचन

चौमूं (संस्कार सृजन)। माली समाज विकास समिति चौमूं अध्यक्ष घीसा लाल सैनी की अध्यक्षता में आगामी रामनवमी 30 मार्च को होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलन के लिए सातवां युवक- युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था के मुख्य संरक्षक एवं पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी ने सामूहिक विवाह सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन किया । संस्था के महामंत्री मदन लाल बागड़ी ने बताया कि अब तक कुल 14 जोड़ों का पंजीयन हो चुका है एवं अगला युवक-युवती परिचय सम्मेलन रविवार 12 मार्च 2023 को सैनी समाज सभा भवन में आयोजित किया जाएगा। इस दौरान संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहरी लाल चांदोलिया, उपाध्यक्ष सुवालाल बांसा, संरक्षक रामचंद्र तुंदवाल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

सूरजमल ठेकेदार, पूर्व अध्यक्ष राधेश्याम तंवर, प्रहलाद सहाय अधोपिया, दिनेश कुमार तिगरिया, डॉक्टर मान प्रकाश तंवर, गैंदी लाल महार, प्रभाती लाल ठेकेदार, कल्याण तोबड़ा , प्रभु नारायण जादम, जयनारायण चंदेल, कन्हैया लाल ईटावा, भवन निर्माण अध्यक्ष सायर सिंह तंवर, एमजेएफ अध्यक्ष रामेश्वर सिंगोदिया, एडवोकेट धीरेंद्र सैनी , सुरेश कुमार सैनी रेलवे अध्यक्ष कर्मचारी अधिकारी संस्था, प्रभाती लाल सैनी कोषाध्यक्ष, सुरेश कुमार एनएचएआई , प्रभु दयाल राई सह कोषाध्यक्ष, प्रह्लाद सहाय राई ,सीताराम चांदोलिया , राजकुमार ईटावा, हीरालाल जादम , कानाराम पंवार, नाथूलाल बिसनालिया, मोहनलाल तंवर, मोहनलाल सिंगोदिया, दीपक तंवर, दाना राम तंवर, कैलाश चांदोलिया, कैलाश , राकेश बागड़ी , दिनेश पंवार, बंशीधर बागड़ी, गजानंद सिंगोदिया आदि मौजूद रहे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर हुआ विमेंस कार रैली का विशाल आयोजन

जयपुर (संस्कार सृजन)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में जयपुर शहर में पिंक वुमनिया, शैल्बी मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल और लायंस क्लब इंटरनेशनल के संयुक्त तत्वावधान में महिला स्वास्थ्य का सन्देश देती विमेंस कार रैली निकाली गई। एड लाइफ टू योर बोन्स, हैल्दी ज्वाइंट्स हैल्दी लाइफ थीम पर आयोजित इस विमेंस कार रैली में सजी धजी 100 से अधिक कारों में सवार 500 से अधिक महिलाओं ने विभिन्न स्लोगन और कार डेकोरेशन के माध्यम से आमजन को महिला स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता का संदेश दिया।

जेएलएन मार्ग पर होटल ग्रांड उनियारा से शुरू हुई इस विमेंस कार रैली को खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, पार्षद मनोज मुदगल, पिंक वुमनिया क्लब की फाउंडर डायरेक्टर कनु मेहता, शैल्बी हॉस्पिटल के सीएओ डॉ. प्रतीक शर्मा, मार्केटिंग हैड विशाल शर्मा, आरटेक ग्रुप के एमडी राकेश यादव, एसजीएम आउटडोर के एमडी जे.डी. माहेश्वरी एवं मिसेज एशिया इंटरनेशनल अनुपमा सोनी, पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल,लायंस क्लब इंटरनेशनल के बसन्त जलेवा ने झंडी दिखाकर रवानगी दी। यह विमेंस कार रैली ग्रांड उनियारा से प्रारंभ होकर मयूर गार्डन, अपेक्स सर्किल, जगतपुरा, अक्षयपात्र मंदिर आदि शहर में विभिन्न स्थानों से होते हुए जेएलएन मार्ग

त्रिमूर्ति सर्किल स्थित होटल ग्रैंड उनियारा पहुंचकर संपन्न हुई।

भव्य समारोह में रैली में शामिल प्रतिभागियों को बेस्ट थीम स्लोगन, बेस्ट डेकोरेटेड कार, बेस्ट कॉस्ट्यूम ऑफ पार्टिसिपेट ऑन थीम, बेस्ट ग्रुप अवॉर्ड सहित विभिन्न पुरस्कारों से नवाजा गया। इस अवसर पर शैल्बी हॉस्पिटल के विशेषज्ञों द्वारा महिला स्वास्थ्य पर टॉक शो, फूलों की होली, भांगड़ा, जुम्बा सहित अनेक मनोरंजक गतिविधियां हुई।समापन समारोह के मुख्य अतिथि सेंट्रल जेल के सुपरिंटेंडेंट संजय यादव ने विजेताओं को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार बांटे । इस अवसर पर याया सोसायटी की फाउंडर मधुलिका सिंह, प्रिस्टीन ग्लोबल हेल्थकेयर की डायरेक्टर पूनम मदान, दीप ज्योति के एमडी दीपक गोयल और इनर व्हील क्लब ऑफ जयपुर ईस्ट की प्रेसिडेंट तूलिका गोयल, पंजाबी समाज की अध्यक्ष प्रीति मल्होत्रा, फिटनेस कोच रिकी सिंह, मनीष गोयल, डॉ. राजेश शर्मा, विकास खटोड़, संदीप अग्रवाल, योगिता जलेवा, राजेंद्र अग्रवाल, ममता अग्रवाल, सपना अग्रवाल, वर्षा खटोड़ ,सोनिका अग्रवाल ,जया सांघी, अनुराग सांघी, कृष्णा अग्रवाल, उषा जोया, वीनू ,मंजीत अरोड़ा, मनन जलेवा, आदित्य संघी, कुमकुम गर्ग विशेष रूप से मौजूद रहे । कार्यक्रम का संचालन एंकर लोयन प्रीति सक्सेना ने किया ।

विश्वास की शक्ति (कहानी)

रिंकू के जीवन की कहानी कुछ यूं है । स्कूल की पढाई के दौरान रिंकू अपने परिवार के साथ एक छोटे से शहर में रहता था। पढाई-लिखाई में इसका मन नहीं लगता था । अपनी कक्षा में ये हमेशा ही फिसड्डी रहता था । मुश्किल से किसी तरह पास होकर अगली कक्षा में पहुँचता था । स्कूल के बच्चों से लेकर मोहल्ले तक लोग रिंकू का मजाक उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ते थे । रिंकू की पढाई में कमजोरी से उनके माता-पिता भी दुखी रहते थे । पढाई में पिछड़ने का दुःख तो रिंकू को भी होता था, परन्तु कोशिश करने पर भी पढाई में उसका मन नहीं लगता था । हर तरफ से उपेक्षा और तिरस्कार से दुखी होकर अंततः रिंकू ने पढाई छोड़ने का मन बना लिया। अभी वह दसवीं कक्षा में था। उसकी पढाई की जो स्थिति थी उससे बोर्ड की परीक्षा में उसे पास करने की उम्मीद लगभग न के बराबर थी । अपने जीवन से निराश रिंकू एक दिन जब स्कूल से घर लौट रहा था तो रास्ते में एक जगह रामायण की कथा हो रही थी। उस समय ओजस्वी स्वर में कथावाचक लंका कांड की व्याख्या कर रहे थे। कथावाचक के ओजस्वी स्वर से बुरे ख्यालों में खोये रिंकू की तंद्रा भंग हुई और वह सम्मोहित होकर कथा स्थल की ओर चल पड़ा। कथा स्थल पर पहुंचकर वह जगह बनाते हुए आगे की पंक्ति में जा बैठा । रिंकू को देखकर कथावाचक मुस्कराए और अपनी कथा को जारी रखा। रिंकू एकाग्रता से कथा के एक-एक शब्द को सुन रहा था। इस समय कथावाचक कह रहे थे, समस्या बड़ी गंभीर थी। सागर तट पर भगवान राम की सेना के सभी योद्धा लक्ष्मण, हनुमान, सुग्रीव, अंगद आदि गंभीर सोच में डूबे थे । जटायु से यह तो पता लग गया था कि रावण सीता को लेकर दक्षिण दिशा में उफनते समुद्र के पार स्थित अपने राज्य लंका में गया है, परन्तु इस विशाल समुद्र को लांघकर लंका जाएगा कौन? समस्या विकट थी । तभी वहां की शांति सुग्रीव के आवाज़ से भंग हुई । सुग्रीव ने प्रभु राम से कहा कि हमारे बीच एक ऐसे दिव्य शक्ति हैं जो समुद्र लांघकर लंका जा सकती हैं। तब भगवान राम की जिज्ञासा को शांत करने के लिए सुग्रीव ने महाबली हनुमान की ओर देखा । सुग्रीव के संकेत से हनुमान जी सकपका गए । हनुमान जी की असमंजसता को भांपते हुए सुग्रीव ने कहा - हे पवनपुत्र ! संभवतः आपको अपनी शक्ति का ज्ञान नहीं है । बचपन में आपने सूर्य को एक फल समझते हुए एक छलांग में उसे सैकड़ों कोस दूर जाकर निगल लिया था तो फिर लंका की दूरी ही क्या है? जरूरत है तो सिर्फ आपको अपने विश्वास को जगाने की । आप जब अपने विश्वास को जगा लेंगे और मन में ठान लेंगे तो शक्ति आपमें स्वतः आ जाएगी । सुग्रीव की बात सुनकर एक तरफ जहाँ हनुमान जी को आश्चर्य हुआ वहीं उनका विश्वास भी जागा और वे समुद्र लांघने को तैयार हो गए । अगले ही दिन उन्होंने पूर्ण विश्वास के साथ समुद्र लांघते हुए लंका की ओर प्रस्थान किया। रास्ते में मुश्किलें तो बहुत आई फिर भी वे सभी मुश्किलों को परास्त करते हुए लंका में माँ सीता को ढूंढने में सफल हुए । वहां कथावाचक के एक-एक शब्द को मंत्रमुग्ध होकर सुन रहे रिंकू का नया जन्म हो चुका था। कुछ समय पहले तक जिस रिंकू की आँखों से निराशा के भाव झलक रहे थे, अब उसकी आँखों में चमक थी । उसके शरीर में उत्साह और स्फूर्ति का संचार होने लगा था । कथा ख़त्म होने के साथ ही वह तेजी से घर की ओर चल पड़ा। उसे सफलता का मूलमंत्र मिल चुका था । वह मन ही मन सोच रहा था कि जब हनुमान जी ने अपने विश्वास से शक्ति अर्जित कर समुद्र को लांघ लिया था, तो पढाई कौन सी बड़ी बाधा है । उसी दिन से रिंकू ने प्रण कर लिया कि वह ध्यान लगा कर खूब पढ़ेगा और सफलता अवश्य प्राप्त करेगा । उसकी मेहनत रंग लाई । अपनी कक्षा में सबसे फिसड्डी रहने वाला छात्र रिंकू दसवीं की बोर्ड परीक्षा में सबसे अव्वल आया। इसके बाद रिंकू ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और जिंदगी में हमेशा अव्वल ही आता रहा। वह लोक सेवा की परीक्षा में भी प्रथम स्थान पर आया और अपने आप पर विश्वास की बदौलत वह सरकारी महकमे में भी पदोन्नति पाते हुए ऊँचे ओहदे तक पहुंच गया।

प्रभाती लाल सैनी

सामूहिक विवाह योजना में बढ़ाया अनुदान

अब नववधू को 21 हजार और संस्था को मिलेंगे 4 हजार रुपए

जयपुर(नि.सं.)। राज्य सरकार ने सामूहिक विवाह सम्मेलनों को प्रोत्साहन देने के लिए अनुदान राशि को बढ़ाया है। सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत अब प्रति जोड़ा 25 हजार रुपए दिए जाएंगे। इसमें नववधू को 21 हजार रुपए और संस्था को 4 हजार रुपए का अनुदान मिलेगा। यह राशि 1 अप्रेल, 2023 से सम्पन्न विवाह सम्मेलनों को देय होगी। अभी यह राशि क्रमशः 15 हजार और 3 हजार रुपए अर्थात् कुल 18 हजार रुपए दी जा रही है।

31 मार्च तक पेन को आधार से कर लें लिंक वरना होगा बड़ा नुकसान

नई दिल्ली (संस्कार सृजन)। अगर आपने अभी तक अपने पैन कार्ड को आधार कार्ड से लिंक नहीं किया है, तो यह काम 31 मार्च तक अवश्य कर लें। क्योंकि, पैन को आधार नंबर से लिंक नहीं होने पर पैन कार्ड निष्क्रिय हो सकता है। पैन कार्ड निष्क्रिय होने पर आप म्यूचुअल फंड, स्टॉक में निवेश नहीं कर पाएंगे और इसके साथ ही बैंक अकाउंट खोलने में भी दिक्कत आएगी। अगर आप अवैध पैन कार्ड यूज करते हैं, तो इनकम टैक्स एक्ट 1961 की धारा 272बी के तहत आपको पेनल्टी के रूप में 10 हजार रुपये की राशि का भुगतान करना पड़ सकता है।

31 मार्च 2023 तक मौका - केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT) के मुताबिक, इनकम टैक्स एक्ट की धारा 234H के अनुसार आधार-पैन लिंक नहीं करवाने वालों के पास जुर्माने के साथ मौका 31 मार्च 2023 तक रहेगा। बता दें 31 मार्च 2023 तक पैन-आधार लिंकिंग के लिए 1000 रुपये की लेट फीस देनी होगी।

आधार से कैसे लिंक करें?-इनकम टैक्स की ऑफिशियल वेबसाइट www.incometa&.gov.in पर लॉग इन करें। क्विक लिंक्स सेक्शन में जाकर लिंक आधार पर क्लिक करें। अब आपके स्क्रीन पर एक नई विंडो खुलेगी। आप यहां अपना पैन नंबर, आधार नंबर और मोबाइल नंबर भर दें। 'I validate my Aadhaar details' के विकल्प को चुनें। आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर OTP आएगी, उसे भर दें और फिर 'Validate' पर क्लिक करें। जुर्माना भरने के बाद आपका पैन आधार से लिंक हो जाएगा।

ऐसे भरें जुर्माना- जुर्माना भरने के लिए आपको https://onlineservices.tin.egov-nsdl.com/eta&new/tdsnontds.jsp Protean पर जाना होगा। यहां पैन-आधार लिंकिंग रिक्वेस्ट के लिए CHALLAN NO/ITNS 280 पर क्लिक करने के बाद Ta& Applicable को चुनें। फी पेमेंट माइनर हेड और मेजर हेड के तहत सिंगल चालान में करनी है। इसके बाद नेटबैंकिंग या डेबिट कार्ड से पेमेंट का तरीका चुनें और अपना पैन नंबर डालें।

अब असेसमेंट ईयर चुनकर एड्रेस भरें। आखिरी में कैप्चा भरें और Proceed पर क्लिक कर दें।

मुख्यमंत्री ने किया होलिका दहन, प्रदेश में सुख समृद्धि की कामना की

जयपुर (संस्कार सृजन)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर होली पूजन कर प्रदेशवासियों की खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की। गहलोत ने मुख्यमंत्री निवास स्थित श्री राज राजेश्वरी मंदिर में अपनी धर्मपत्नी सुनीता गहलोत के साथ आरती कर होली पूजन किया। उसके बाद उन्होंने मंत्रोच्चार के बीच होलिका दहन किया। होलिका दहन के दौरान राजस्थान पुलिस की 4 आरएसी बटालियन के जवानों तथा राजस्थानी लोक कलाकारों ने चंग की थाप पर होली के गीत और नृत्य प्रस्तुत किए। गहलोत ने कलाकारों से मिलकर उनकी हौसला अफजाई की। इस अवसर पर अनेक गणमान्यजन एवं मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारी सपरिवार उपस्थित रहे।

भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य ने खेली तिलक होली

जयपुर (संस्कार सृजन)। होली लके पर्व पर सभी रंगों से सराबोर नज़र आए। अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य ने भी धुलण्डी पर्व पर तिलक होली खेली। पंडित रविंद्र आचार्य ने इस दौरान लोगों को गुलाल का तिलक लगाया और होली की शुभकामनाएं दी। ईश्वर से सभी के जीवन में खुशहाली की कामना की।

यूईएम द्वारा आयोजित हुआ सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर

जयपुर (संस्कार सृजन)। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के राष्ट्रीय सेवा योजना, क्षेत्रीय निदेशालय, जयपुर, राजस्थान के द्वारा सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर का आयोजन यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट में 27 फरवरी 2023 से 5 मार्च 2023 तक किया गया। एस पी भटनागर, क्षेत्रीय निदेशक, राष्ट्रीय सेवा योजना, जयपुर ने बताया कि शिविर के समापन दिवस पर मुख्य अतिथि चौमूं विधायक रामलाल शर्मा हे। उन्होंने बताया कि शिविर में 13 प्रदेशों के 100 स्वयंसेवक और 100 सेविकाओं तथा 10 टीम लीडर ने भाग लिया। उन्होंने बताया इस शिविर में पधारे सभी स्वयंसेवकों द्वारा भारतीय संस्कृति को प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कहा इस शिविर के माध्यम से युवाओं की विचारधारा को मंच पर लाकर उन्हें एक करने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि इस शिविर में प्रभात फेरी, योगा, खेल, बौद्धिक क्षमता, श्रमदान, रंगोली, अकादमिक सत्र का आयोजन किया गया। शिविर के समापन पर सभी टीमों द्वारा सांस्कृतिक परेड निकाली गई इसमें सभी स्वयंसेवकों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। मुख्य अतिथि रामलाल शर्मा ने बताया कि मैं भी एक एनएसएस स्वयंसेवक रहा हूं, उन्होंने कहा कि ऐसे शिविरों में भारतीय संस्कृति की झलक देखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि आज एक लघु भारत देखने को मिल रहा है। विश्वविद्यालय के वाईस चांसलर डॉ. बिश्वजोय जॉय चटर्जी जी ने कहा कि इस शिविर में पधारे सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और उन्होंने कहा कि सभी स्वयंसेवक राष्ट्र निर्माण में अपनी महती भूमिका निभाए। उन्होंने कहा यदि आगे भी इस तरह की शिविर लगाए जाएगे, तो उनका विश्वविद्यालय हमेशा उनकी सेवा में सदैव तत्पर रहेगा। रजिस्ट्रार प्रदीप कुमार ने कहा राष्ट्रीय सेवा योजना की जो भावना है मैं नहीं आप, उस पर युवाओं को चलना चाहिए। इस दौरान शिविर में श्रवणराम कटारिया, युवा अधिकारी, कमल किशोर मकड़, युवा अधिकारी डॉ दिसो मुखर्जी, के अतिरिक्त विभिन्न राज्यों से डॉ विशाल गौतम, राजस्थान, डॉ नीलम बत्रा, चंडीगढ़, डॉ रेशमा सुल्ताना, पटना, डॉ राकेश कुमार, दिल्ली, डॉ सत्यम केसरी, लखनऊ, डॉ वैशाली पुणे, डॉ आर,सुभाश्री, चेन्नई, डॉ अजय श्रीवास्तव, भोपाल, डॉ वैशाली, महाराष्ट्र, डॉ हेमंत शर्मा, असम, डॉ कैलाश, गुजरात को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह और स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। शिविर के संयोजक डॉ भैरू सिंह यादव ने कार्यक्रम के अंत में सभी का धन्यवाद दिया।

जयपुर के डी बोट हाउस में होली की धमाल पर जमकर थिरके लोग

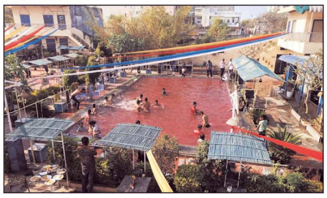

जयपुर (संस्कार सृजन)। होली के पर्व पर हर तरफ लोग रंगों में रंगे नज़र आए। जयपुर के विद्याधर नगर ,सेक्टर 9, स्टेडियम के पास स्थित डी बोट हाउस में भी रंगों के साथ दो दिवसीय होली फेस्टिवल का धमाल हुआ।

सभी ने एक दूसरे को रंग गुलाल लगाई। सभी लोगों ने मस्त होकर पूल पार्टी का एन्जॉय करते हुए डीजे की धुनों पर धमाल मचाया। साथ ही गरमा-गरम स्वादिष्ट व्यंजनों का भी लुत्फ़ उठाया। कार्यक्रम संयोजक राहुल जांगिड़, प्रमोद सांखला और प्रद्युम्न सैनी ने बताया कि डी बोट हाउस में होली फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा जिसमें पूल पार्टी , संगीत और खाने पीने का इंतजाम की सम्पूर्ण व्यवस्था रही।

सभी के लिए फ्री पार्किंग की सुविधा भी उपलब्ध रही।

रोजगार सेवा के 31 अधिकारियों को पदोन्नति

तीन अधिकारी संयुक्त निदेशक, 7 उपनिदेशक, 20 सहायक निदेशक एवं एक जिला रोजगार अधिकारी बने

जयपुर(नि.सं.)। कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग ने रोजगार सेवा के 31 अधिकारियों की पदोन्नति के आदेश जारी किए हैं। विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक की अभिशंषा के अनुसार रोजगार सेवा के 3 उप निदेशकों को संयुक्त निदेशक, 7 सहायक निदेशकों को उपनिदेशक, 20 जिला रोजगार अधिकारियों को सहायक निदेशक एवं एक कनिष्ठ रोजगार अधिकारी को जिला रोजगार अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है। जारी किये गये आदेश के अनुसार राम सहाय बैरवा, विठ्ठल दास गुप्ता एवं प्रेमाराम उप निदेशक के पद से संयुक्त निदेशक पद पर पदोन्नत हुए हैं।

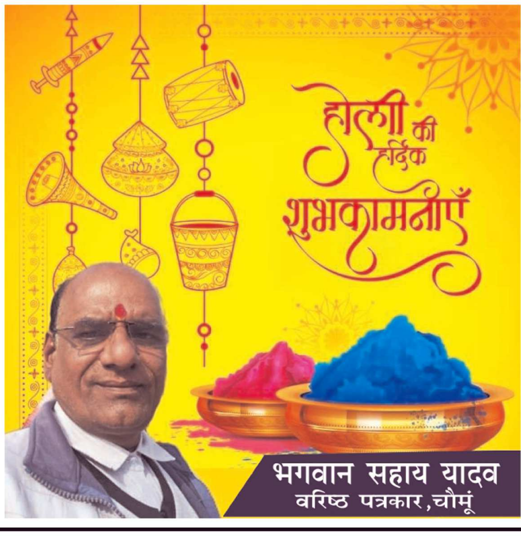

RNI N0. - RAJHIN/2021/80841
www.sanskarnews.page
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित।
EMAIL-sanskarsrijan21@gmail.com